उद्यमिता में महिलाओं की तेज रफ्तार

लखनऊ। कारोबार की राह में राज्य में महिलाओं की रफ्तार और तेज हो गई है। इसी का नतीजा है कि यूपीसीडा द्वारा औद्योगिक भूखंडों की नीलामी में महिला उद्यमियों ने न सिर्फ बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया, बल्कि 46 में से 15 भूखंड बोली लगाकर अपने नाम भी कर लिए। ये भूखंड 14 जिलों में हैं।

46 औद्योगिक भूखंडों की नीलामी में 15 महिलाओं के नाम

महिलाओं ने की बड़ी दावेदारी, सभी सक्रिय उद्यमी

यूपीसीडा ने 29 अगस्त को 46 औद्योगिक भूखंडों की मेगा नीलामी की थी। ये भूखंड हाथरस, कानपुर नगर, कानपुर देहात, फिरोजाबाद, गाजियाबाद, और बांदा में एक-एक थे। बरेली, हरदोई, झांसी और फतेहपुर में दो-दो, अमेठी में चार, हमीरपुर में 5, मैनपुरी में तीन और मथुरा में 20 हैं। आमतौर पर नीलामी में पुरुषों का वर्चस्व रहता है, लेकिन इस बार बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी हिस्सा लिया और बोली लगाकर भूखंड अपने नाम किए। ये सक्रिय उद्यमीं हैं, जिनके नाम इकाई है और वह प्रबंध निदेशक या निदेशक के प्रभावशाली पद पर काबिज हैं।

यूपीसीडा के पारदर्शी और डिजिटल प्रक्रियात्मक ढांचे ने महिला निवेशकों के लिए उद्योग स्थापित करने अधिक सहज बनाया है। हमारा उद्देश्य राज्य के हर क्षेत्र में संतुलित औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना है। इस नीलामी में प्राप्त निवेश प्रस्ताव यह दर्शाते हैं कि निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है।

-मयूर महेश्वरी,
सीईओ, यूपीसीडा

मेगा ई-निलामी में 15 महिला उद्यमियों व निवेशकों ने भागीदारी की। इनमें से अधिकांश लघु और मध्यम उद्योगों से जुड़ी हैं। इससे यह भी पता चलता है कि महिलाएं अब प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य में निर्णायक भूमिका निभा रही हैं। अनुमान है कि इन भूखंडों पर बसने वाले उद्योग के जरिये कम से कम 300 करोड़ का निवेश होगा और 400 लोगों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार भी मिलेगा।

वहीं 46 भूखंडों में करीब 4000 करोड़ का निवेश और 5000 को रोजगार प्रस्तावित है। उप्र. राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने चार वाणिज्यिक भूखंड आवंटित किए गए हैं। इन पर दो अत्याधुनिक वेयरहाउस, एक पेट्रोल पंप और एक विद्यालय की स्थापना की जाएगी। ब्यूरो